केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 49 मंगलवार 8 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

छप्पर गिरने से महिला की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसुरामपुर थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में सोमवार सुबह एक हादसा हो गया। बगीचे में बने पाही पर अचानक छप्पर गिरने से 58 साल की एक महिला की मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार में दुख छा गया। पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली।मिश्रौली गांव के रहने वाले रामदेव प्रजापति की पत्नी ज्ञानमती (58) सोमवार सुबह करीब 4रू45 बजे बगीचे में अपने पाही पर तख्त पर बैठी थीं। तभी अचानक पाही का छप्पर उनके ऊपर गिर गया। ज्ञानमती छप्पर के मलबे में दब गईं। हादसे के बाद आसपास के लोग और परिवार वाले घबरा गए। लोगों ने मलबा हटाकर महिला को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने परिवार वालों से हादसे के बारे में पूछा। शुरुआती जांच में पता चला है कि छप्पर गिरने से महिला की दबकर मौत हुई है। पुलिस के मुताबिक, मृतका के पति रामदेव प्रजापति ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है। उन्होंने परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार करने के लिए लिखित आवेदन दिया है। पुलिस इस मामले में जरूरी कार्रवाई कर रही है। इस हादसे के बाद गांव में दुख का माहौल है।

रालोद जिला कार्यकारिणी का विस्तार, महासचिव मनोनीत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल जिलाध्यक्ष महिपाल पटेल ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए भैरव दत्त सिंह और त्रिपुरेश प्रताप पाठक को जिला महासचिव पद पर मनोनीत किया है।

रालोद जिलाध्यक्ष महिपाल पटेल ने बताया कि पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला कार्यकारिणी में यह विस्तार किया गया है।

मनोनयन पर प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, क्षेत्रीय महासचिव अरूण कुमार, शिवम, विकास, अभिनाश, श्रीराम मौर्य, सुरेन्द्र कुमार, इन्द्र बहादुर यादव, राम कृपाल चौहान, परवेज अहमद, धर्मेन्द्र कुमार, विवेक श्रीवास्तव, गोरखनाथ चौधरी, मुन्नीलाल एवं गीता वर्मा सहित पार्टी के अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

लोक अदालत 12 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा जनपद न्यायाधीश शमसुल हक के मार्गदर्शन में 12 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय में किया जाना है।

नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत प्रमोद कुमार गिरि ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर को जनपद न्यायालय, कलेक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेगा।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र कुमार–प्रथम द्वारा बताया गया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, परकाम्य लिखत अधिनियम की धारा–138 से सम्बन्धित मामलें, बैंक वसूली से सम्बन्धित मामलें, मोटर दुर्घटना से सम्बन्धित प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वादों, पारिवारिक वादों, भूमि अधिग्रहण से सम्बन्धित वादों, विद्युत एवं जलकर विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धी विवाद एवं सेवानिवृत्त लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व सम्बन्धी वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, आर्बिट्रेशन (हायर पर्चेज एग्रीमेंट से उत्पन्न विवाद) एवं उक्त के अतिरिक्त ऐसे अन्य प्रकार के जिन वादों का निस्तारण सुलह–समझौते के आधार पर हो सकता है, उन्हें भी अधिक से अधिक संख्या में नियत कर निस्तारित किया जायेगा।

जहरीली शराब से बाप–बेटा समेत 22 मौतें:112 की हालत बिगड़ी, 10 गिरफ्तार

सागर (आभा)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता–पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है।

सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है। वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

सागर के बंडा क्षेत्र में संदिग्ध अमानकध्अवैध शराब के सेवन से ग्रामीणों के बीमार होने और कुछ लोगों की मौत के मामले में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। जांच की जिम्मेदारी जैसीनगर एसडीएम को सौंपी गई है। जांच में मौतों की वास्तविक वजह, शराब के निर्माण–भंडारण और वितरण में शामिल लोगों तथा संबंधित विभागों की लापरवाही की जांच होगी। जांच अधिकारी को स्पष्ट अभिमत के साथ रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जहरीली शराब से मरने वाले महेश के भतीजे श्रवण कुमार रावत ने बताया कि चाचा ने कल शाम को शराब पी थीघ्, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वहीं, श्याम बाई के बेटे विट्ठल अहिरवार ने कहा– हम मामा के घर गमी में गए थे। मां घर में अकेली थी। उन्होंने गांव में किसी से मंगवाकर शराब पी ली। देर रात उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। सुबह उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

बंडा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, फरियादी अनूप सिंह लोधी ने बताया कि उसके गांव में करीब 8 लोग अवैध रूप से शराब बेचते हैं। 4 सितंबर को वह अपने भतीजे राजेंद्र लोधी के साथ जुझार लोधी की दुकान पर गया था। जुझार ने बताया कि बरेठी के लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और बंडा निवासी आशीष साहू ने आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रविंद्र, रोहित, अनिकेत गंधर्व और माखन के माध्यम से अपनी गाड़ी से नया सस्ता ब्रांड भेजा है। उसने कहा कि यह शराब दुकान से 20 रुपए सस्ती मिलेगी। अनूप ने कहा कि उसे आज शराब नहीं पीनी है। राजेंद्र ने पूछा कि नकली जहरीली शराब तो नहीं है। शराब दुकानदार जुझार लोधी ने कहा– ब्रांड वही है और इसे मनीष व आशीष ने शराब के फार्मूले से बनाया है। उसने कहा कि यह बाजार से 20 रुपए सस्ती मिलेगी। राजेंद्र ने जुझार की दुकान से 70 रुपए में एक क्वार्टर देशी शराब खरीदी और पी। रात में घर लौटने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे बंडा अस्पताल ले जाया गया, जहां से सागर रेफर किया गया। इलाज के दौरान राजेंद्र की मौत हो गई। करतार सिंह लोधी और दिग्विजय सिंह लोधी की भी शराब पीने से मौत हुई।

पुलिस ने जुझार लोधी, दिनेश सिंह, सौरभ लोधी, गोविंद लोधी, मनोहर लोधी, लाइसेंसी यशवंत ठाकुर, मनीष लोधी, आशीष साहू, आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रोहित, माखन, अनिकेत गंधर्व, विशाल लोधी, मंगल रजक, विशाल लोधी और राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लाइसेंसी ठेकेदार सिद्धार्थ कुशवाहा, राम सिंह लोधी, चंद्रभान राजपूत, अरविंद यादव, भगवान सिंह और मान सिंह अहिरवार समेत अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। ग्रामीणों ने बताया कि नौराज ग्राम पंचायत के ततरवारा गांव में लंबे समय से अवैध शराब बनाई जा रही है।

बिल्डिंग मालिक गिरफ्तार:7 की मौत

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए दर्दनाक इमारत हादसे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गहरी नाराजगी और दुख जताया है। अदालत ने सोमवार को इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इसके लिए केवल इमारत के मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि रविवार को हुए इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। भवन मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि डीयू दूसरे राज्यों से आने वाले छात्रों को पर्याप्त हॉस्टल सुविधा मुहैया कराने में पूरी तरह विफल रहा है। इसी कमी और मजबूरी के चलते छात्रों को असुरक्षित प्राइवेट पेइंग गेस्ट (पीजी) में शरण लेनी पड़ती है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के हादसों के लिए संबंधित एजेंसियां अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकतीं।

पत्नी की हत्या का आरोपी इनामी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब एक साल से फरार था। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए दाढ़ी बढ़ाकर छिप रहा था। पुलिस ने उसे सोमवार सुबह विशेषरगंज बाजार में साड़पुर की ओर जाने वाले तिराहे से पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजकुमार चौहान उर्फ पाड़े (45) के रूप में हुई है। वह सुबरहा गांव का रहने वाला है। उसके खिलाफ दुबौलिया थाने में गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार कोशिश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 14 जून 2025 की रात हुई थी। राजकुमार का अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ था। आरोप है कि झगड़े के दौरान उसने लकड़ी के पटिए से पत्नी पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई थी।

इस घटना की जानकारी मृतका की 18 साल की बेटी सोनाली ने पुलिस को दी थी। इसके बाद 20 जून 2025 को मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के बाद से आरोपी फरार था। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी हुआ था। बाद में कोर्ट के आदेश पर उसके घर की कुर्की भी की गई। 11 जून 2026 को पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में भेज दिया था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी से बहस के दौरान उसने लकड़ी के पटिए से वार किया था। इससे उसकी मौत हो गई। डर के कारण वह फरार हो गया था और पहचान छिपाने के लिए दाढ़ी बढ़ाकर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अरुण कुमार पांडेय, उपनिरीक्षक अजय कुमार पांडेय और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

पी.डी.ए. व्यापारी मण्डलीय सम्मेलन 9 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आगामी 9 सितम्बर बुधवार को समाजवादी पार्टी व्यापार सभा का पी.डी.ए. व्यापारी मण्डलीय सम्मेलन का आयोजन श्याम बाटिका मैरेज लॉन में आयोजित किया गया है। सम्मेलन की सफलता के लिये सोमवार को समाजवादी पार्टी व्यापार सभा जिलाध्यक्ष रघुनन्दन राम साहु की अध्यक्षता में तैयारी बैठक कार्यालय पर सम्पन्न हुई।

बैठक को सम्बोधित करते हुये रघुनन्दन राम साहु ने कहा कि सम्मेलन में समाजवादी पार्टी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल, सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' के साथ ही बस्ती मण्डल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। सम्मेलन की तैयारियां तेजी से पूरी की जा रही है। सम्मेलन में व्यापारियों की समस्याओं, उत्पीड़न आदि से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाये जायेंगे।

तैयारी बैठक में मुख्य रूप से सौरभ गुप्ता, शुभ जायसवाल, आतमजीत सिंह, पवन गुप्ता, सतीश पाण्डेय, शनी साहू, अभय जायसवाल के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

राम विनय अध्यक्ष, गिरिजेश महामंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एलआईसी अभिकर्ता संघ (लियाफी1964) के मण्डलीय कार्यकारिणी का चुनाव गोरखपुर के सिविल लाइन्स रोड स्थित एक होटल में संपन्न हुआ। इसमें राम विनय पाण्डेय अध्यक्ष, गिरिजेश कुमार त्रिपाठी महामंत्री और प्रशांत कुमार सिन्हा कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। चुनाव में गोरखपुर मंडल के नौ जिलों के 20 शाखाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि लियाफी के वित्त समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रभान पाण्डेय रहे। अध्यक्षता एजुकेशनल कमेटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय गुप्ता ने की। इस दौरान लियाफी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुधाकर चतुर्वेदी, चुनाव समिति के सदस्य संजय सिंह, वशिष्ठ पाण्डेय और सुरेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

जी.वी.एम. में छात्रों को दिया पोषक तत्वों की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जी.वी.एम. कान्वेन्ट स्कूल में 'नेशनल न्यूट्रीसन वीक' उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों के महत्व के प्रति बच्चों को पोस्टर, भाषण एवं माडलों के द्वारा बच्चों को जानकारी दी गयी। इस जागरूकता सप्ताह का प्रारम्भ 1 सितम्बर से हुआ और सोमवार को पोषक तत्वों पर बने हुए माडलों एवं पोस्टरों की 'विज्ञान प्रदर्शनी' के साथ इसका समापन हो गया।

इस प्रदर्शनी का निरीक्षण विद्यालय के प्रबन्धक संतोष सिंह जी और प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी सिंह ने किया। बच्चों द्वारा बनाये गये माडलों का निरीक्षण करते हुए संतोष सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। बच्चों से माडलों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे और हमारे भोजन में पोषक तत्वों के महत्व की जानकारी दी।

प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी सिंह ने कहा कि हम भोजन तो रोज करते हैं लेकिन किस तरह का भोजन हमारे स्वास्थ्य के ज्यादा उपयुक्त है इस बात की जानकारी नहीं होती इसलिए बच्चों को जागरूक करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम विद्यालय समय–समय पर आयोजित कराता रहता है। बच्चों विभिन्न तरह के पोषक तत्वों से युक्त भोजन लेकर आते हैं और शिक्षक विभिन्न कक्षाओं में बच्चों को जागरूक करते हैं।

प्रदर्शनी में जाह्नवी, स्निग्धा, अनन्तराज, अदिति, आद्या, अशिता, शालिनी, हर्ष, पार्थ एवं शिक्षा ने अपने उत्कृष्ट भाषणों के द्वारा उपस्थित लोगों को जागरूक किया। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा बनाये गये माडल रहे जिसमें दिव्यज्ञान, अल्तशा, रिद्धी, नम्रा, गौरी, यशू, नीरज, रुद्र, अमिता, यशराज, श्याम, असद, अयान, हर्ष, अविका, रिदा, सम्राट, अद्वित, काशिफ, सात्वी, आर्ष, आकृति, आरुषि, रोशन, कीर्ती आदि मुख्य रहे। इस अवसर पर राकेश, राजेश, साकेत, सना, अलीशा, पवन, गिरीश, शिवानी, ममता, हिना, रेशमा, प्रतीक्षा, मिनाक्षी, सावित्री, सुचिता, नमरा, निगहत, दिवाकर, प्रवीन, अरविन्द, सुशील, नीरज, महिमा, अमन आदि शिक्षक एंव शिक्षिकाए उपस्थित रहे ।

11 सूत्रीय मांगों, 84 शिक्षकों के बकाया वेतन को लेकर शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

–शिक्षक हित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक–दूसरे के पूरक– उदय शंकर शुक्ल

–टकराव नहीं, संवाद से समाधान हमारा उद्देश्य– सूर्य प्रकाश शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की लंबित सेवा संबंधी समस्याओं, पदोन्नति, वरिष्ठता सूची, वेतनमान, पदस्थापन तथा 84 शिक्षकों के बकाया वेतन भुगतान को लेकर सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर शिक्षकों की जायज मांगों को प्रमुखता से उठाया।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार तिवारी को शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए मांग किया कि शासनादेश, विभागीय नियमों एवं न्यायालयीय आदेशों के अनुरूप सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं न्यायसंगत निस्तारण किया जाए।

ज्ञापन में शासनादेश के अनुसार शिक्षकों के प्रोन्नति वेतनमान का आदेश जारी करने, संयुक्त वरिष्ठता सूची प्रकाशित करने तथा वरिष्ठता के आधार पर प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय, सहायक अध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय के पदों पर पदोन्नति किए जाने की मांग की गई। इसके साथ ही प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर पदस्थापन, पदोन्नति एवं पदस्थापन में काउंसलिंग के माध्यम से पारदर्शी प्रक्रिया, उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में प्रधानाध्यापक पदों पर पदस्थापन तथा प्रभारी प्रधानाध्यापक के पदस्थापन में उसी विद्यालय में कार्यरत शिक्षक को प्राथमिकता देने की मांग प्रमुख रही।

ज्ञापन में शिक्षा मित्रों को उनके मूल विद्यालयों में वापस भेजकर नियमानुसार पदस्थापन, लंबित चयन वेतनमान की स्वीकृति, शिक्षकों को दिए गए नोटिसों का निस्तारण तथा निलंबित शिक्षकों की विभागीय प्रक्रिया पूर्ण कर नियमानुसार एवं सहानुभूतिपूर्वक बहाली की मांग भी शामिल रही।

प्रतिनिधिमंडल ने जिला वित्त एवं लेखाधिकारी विनय गौरव से भी मुलाकात कर 84 शिक्षकों के लंबे समय से लंबित बकाया वेतन का मामला गंभीरता से उठाया। जिला वित्त एवं लेखाधिकारी विनय गौरव ने प्रतिनिधिमंडल को स्पष्ट आश्वासन देते हुए बताया कि 84 शिक्षकों के बकाया वेतन का बिल निकल चुका है और 15 सितम्बर से पूर्व सभी संबंधित शिक्षकों का लंबित भुगतान कर दिया जाएगा।

ज्ञापन देने के बाद जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि संगठन शिक्षकों के अधिकारों एवं जायज मांगों को लेकर पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष समस्याओं को निरंतर उठाता रहेगा

जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार अधिकारियों से संवाद कर रहा है। संगठन का उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव पैदा करना नहीं, बल्कि संवैधानिक, लोकतांत्रिक एवं संवादात्मक तरीके से शिक्षकों की जायज समस्याओं का समाधान कराना है।

प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दुबे, साऊंघाट ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक उपाध्याय, रूधौली ब्लॉक अध्यक्ष रजनीश मिश्रा, बहादुरपुर ब्लॉक अध्यक्ष रीता शुक्ला, पटेश्वरी निषाद, अखिलेश मिश्रा एवं सोमनाथ सहित शिक्षक संघ के अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक शामिल रहे।

तालाब पट्टे को लेकर मत्स्यजीवी सहकारी समिति के सदस्यों में विवाद, डीएम से जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मत्स्यजीवी सहकारी समिति लिमिटेड सल्टौवा गोपालपुर के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने तालाब के पट्टे को लेकर जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि समिति के सभी सदस्य तालाब के पट्टे में भाग नहीं लेना चाहते हैं, इसके बावजूद समिति के सचिव अशोक चौधरी द्वारा पिछले 10 वर्षो से बस्ती में जमे मत्स्य विभाग के अधिकारी संदीप वर्मा से मिलीभगत कर पट्टे के लिए आवेदन किया गया है। मांग किया कि मत्स्य विभाग के अधिकारी संदीप वर्मा के गतिविधियों की जांच, कार्रवाई कराकर उनका तत्काल स्थानान्तरण कराया जाय।

सोमवार को आरती निषाद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए मांग पत्र में कहा कि उनकी समिति का भानपुर तहसील क्षेत्र में 18 अगस्त 2026 को तालाब की नीलामी, पट्टा प्रक्रिया में शामिल होना प्रस्तावित था। आरोप है कि समिति के सचिव अशोक चौधरी ने मत्स्य विभाग के अधिकारी संदीप वर्मा से मिलकर कथित रूप से समिति की जानकारी के बिना पट्टे के लिए आवेदन किया। ग्रामीणों का कहना है कि समिति के अधिकांश सदस्य इस प्रक्रिया से सहमत नहीं हैं।

मांग पत्र में ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की जांच कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि मत्स्य विभाग के अधिकारी संदीप वर्मा लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात हैं और तालाबों के पट्टे में अनियमितता की शिकायतें पूर्व में भी उठती रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक इस संबंध में इससे पहले कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद से भी शिकायत की जा चुकी है। धर्मराज निषाद द्वारा भी पूर्व में मंत्री से शिकायत किए जाने का उल्लेख मांग पत्र में किया गया है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर समिति के सदस्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समिति के सदस्यों की सहमति के विपरीत पट्टा प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई तो इससे विवाद और बढ़ सकता है।

जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपने के दौरान धनपत निषाद, सरोज, कलावती, सरोजा निषाद, चम्पा, झिनकी देवी, बृजेश निषाद, हरिप्रसाद साहनी समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 सितम्बर 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

ईओएस–5 का सफल प्रक्षेपण

अंतरिक्ष में हासिल की गई कोई भी सफलता विज्ञान की उपलब्धि होने के साथ–साथ एक राष्ट्र की दूरदृष्टि, संस्थागत क्षमता और भविष्य को लेकर उसके आत्मविश्वास को भी परिलक्षित करती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा ईओएस–5 का सफल प्रक्षेपण इसी अर्थ में खास है। भू–तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित होने वाले देश के पहले ‘इमेजिंग’ उपग्रह की सफलता ने फिर यह साबित किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाला देश नहीं, बल्कि नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ने वाली शक्ति बन रहा है। यह उपलब्धि महज एक उपग्रह को अंतरिक्ष में पहुंचाने तक सीमित नहीं है।

यह मौसम पूर्वानुमान, प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी, कृषि नियोजन, पर्यावरण संरक्षण, समुद्री गतिविधियों और राष्ट्रीय सुरक्षा तक के मामले में व्यापक स्तर पर उपयोगी साबित होगी। अंतरिक्ष विज्ञान का संबंध अब नागरिक जीवन, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ चुका है। इसलिए ईओएस–5 की सफलता को भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाना चाहिए।

सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो के वैज्ञानिकों ने अनुशासन, धैर्य और नवाचार के बल पर जो विश्वसनीयता पाई है, वह हमारी अमूल्य राष्ट्रीय पूंजी है। राजनीतिक बदलावों के बावजूद अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बनी नीतिगत निरंतरता ने इसरो को दुनिया की विश्वसनीय एजंसियों में स्थापित किया है। मगर सफलता का उत्सव भविष्य की चुनौतियों को ढक नहीं सकता। वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा तेजी से बदल रही है। इसमें केवल पुरानी उपलब्धियों के भरोसे आगे बढ़ना संभव नहीं। सरकार का दायित्व सफल प्रक्षेपणों पर वैज्ञानिकों को बधाई देने तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसरो को पर्याप्त संसाधन, अत्याधुनिक सुविधाएं, स्थायी वित्तीय समर्थन और युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं को आकर्षित करने वाली नीति चाहिए।

निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के बीच यह भी ध्यान रखना होगा कि इससे इसरो की वैज्ञानिक क्षमता और संस्था के रूप में उसकी अहमियत कहीं से भी कमजोर न पड़े। विज्ञान पर किया गया निवेश खर्च नहीं, भविष्य की भरोसेमंद पूंजी है। इसरो की मजबूती दरअसल उस भारत की मजबूती है, जो धरती की जरूरतों को समझते हुए अंतरिक्ष में अपना भविष्य तलाश रहा है।

सड़कों पर अतिक्रमण

देश में सड़कों पर अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बन गई है। कहीं सड़क किनारे अवैध तरीके से मकानों का विस्तार कर दिया जाता है, फुटपाथ पर दुकानें खड़ी कर दी जाती हैं, तो कहीं वाहनों को बेतरतीब ढंग से सड़क पर खड़ा कर दिया जाता है। खासकर वाहनों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी के साथ ही सड़कों का एक बड़ा हिस्सा अवैध पार्किंग, सामान लादने–उतारने और अन्य अस्थायी उपयोगों में घिरता जा रहा है। परिणामस्वरूप सड़कों का दायरा सिकुड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता जा रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक पर यही स्थिति देखने को मिलती है। यह सड़क परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की लापरवाही का ही नतीजा है कि अतिक्रमण की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में हर साल बड़ी संख्या में निर्दोष लोग अपनी जान गंवा देते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को इस पर चिंता जताते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से पूछा कि वह समस्या से निपटने के लिए कैमरा निगरानी प्रणाली और टोल प्लाजा पर निगरानी कक्ष क्यों नहीं स्थापित कर सकता? देश भर में यह देखने को मिलता है कि बाजारों, कार्यालयों, अस्पतालों, स्कूलों और आवासीय क्षेत्रों में लोग अक्सर अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल के बजाय सड़क पर खड़े कर देते हैं। कई स्थानों पर दोपहिया और चारपहिया वाहन फुटपाथ तक घेर लेते हैं, जिससे पैदल यात्रियों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है।

पर्याप्त और व्यवस्थित पार्किंग सुविधाओं की कमी इस समस्या को और जटिल बना देती है। मगर सवाल है कि ऐसे मामलों में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संभालने वाली यातायात पुलिस की जवाबदेही तय क्यों नहीं की जाती है? गलत जगह वाहन खड़ा करने पर नियमित और निष्पक्ष कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? ऐसे स्थानों को चिह्नित कर वहां कैमरा प्रणाली से निगरानी क्यों नहीं की जाती? इसमें दोराय नहीं कि यदि व्यवस्था में व्याप्त खामियों को दुरुस्त करने में गंभीरता दिखाई जाए और नियमों का ईमानदारी से पालन हो, तो सड़कों को निश्चित रूप से सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा सकता है।

बंद करनी थी पाठशाला तो फिर क्यों सजाया गया स्कूल का आंगन?

-अखिल कुमार यादव-

उत्तर प्रदेश में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विलय और बंद होने का मुद्दा अब केवल शिक्षा विभाग की फाइलों तक सीमित नहीं रह गया है। यह गांव की चौपाल से लेकर राजनीतिक मंच तक पहुंच चुका है। शिक्षक दिवस यानी 5 सितंबर, 2026 को समाजवादी पार्टी ने प्रदेशभर में ‘पाठशाला पुकारे’ अभियान चलाकर बंद किए गए प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूलों के बाहर शिक्षक सम्मान और जनजागरूकता कार्यक्रम किए। अभियान का संदेश था ‘बंद स्कूल खुलेगा, तो PDA पढ़ेगा।’ लेकिन इस पूरे विवाद के बीच राजनीति से अलग एक ऐसा सवाल भी खड़ा होता है, जिसका जवाब केवल सरकार नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था को देना चाहिएकृअगर किसी विद्यालय को आने वाले समय में बंद या दूसरे विद्यालय में विलय ही करना था, तो मर्जर के ठीक पूर्व उस विद्यालय की चारदीवारी क्यों बनाई गई? दिव्यांग शौचालय क्यों बनवाया गया? पेयजल की व्यवस्था क्यों की गई? भवनों की मरम्मत, रंगाई–पुताई और दूसरे बुनियादी ढांचे पर पैसा क्यों लगाया गया?

आज सोशल मीडिया पर बंद या विलय किए गए विद्यालयों की तस्वीरें और वीडियो तेजी से सामने आ रहे हैं। इनमें कई ऐसे विद्यालय दिखाई देते हैं जिनके परिसर में अपेक्षाकृत नया बाउंड्रीवाल है, शौचालय बने हैं, हैंडपंप या पेयजल की व्यवस्था है और भवन भी ठीक स्थिति में नजर आता है। तस्वीरें एक असहज सवाल खड़ा करती हैं जिस स्कूल में सार्वजनिक धन खर्च करके आधारभूत सुविधाएं विकसित की गईं, उसे कुछ समय बाद अनुपयोगी क्यों होने दिया गया?

यहां यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि विद्यालयों के विलय का सरकारी तर्क सामान्यतः कम छात्र संख्या, संसाधनों के बेहतर उपयोग और बच्चों को अपेक्षाकृत बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़ा रहा है। वर्ष 2025 में सरकार की ओर से यह भी कहा गया था कि एक किलोमीटर से अधिक दूरी वाले विद्यालयों तथा 50 से अधिक छात्रों वाले विद्यालयों का विलय नहीं किया जाएगा। इसलिए असली बहस ‘विलय होना चाहिए या नहीं’ से आगे बढ़कर योजना और प्राथमिकता की होनी चाहिए। मान लीजिए किसी गांव के प्राथमिक विद्यालय में छात्र संख्या लगातार कम हो रही थी। विभाग के पास वर्षों का नामांकन रिकॉर्ड था। ऐसे में क्या बाउंड्रीवाल, शौचालय, अतिरिक्त कक्ष, फर्नीचर या अन्य निर्माण कार्य स्वीकृत करने से पहले यह आकलन नहीं किया जाना चाहिए था कि अगले पांच–दस वर्षों तक विद्यालय वहां संचालित रहेगा या नहीं?

यदि भविष्य में विद्यालय के विलय की संभावना पहले से मौजूद थी और फिर भी उस पर लाखों रुपये खर्च किए गए, तो यह सिर्फ शिक्षा नीति का प्रश्न नहीं है। यह सार्वजनिक धन के नियोजन और उपयोग का प्रश्न भी है। दूसरी ओर, यदि उस समय विद्यालय को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं था और परिस्थितियां बाद में बदलीं, तब भी सवाल खत्म नहीं होता। तब व्यवस्था को यह बताना चाहिए कि विद्यालय की छात्र संख्या क्यों घटी? क्या वहां शिक्षकों की पर्याप्त तैनाती थी? क्या समय पर शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने के प्रयास हुए? क्या अभिभावकों को सरकारी स्कूल की ओर आकर्षित करने की कोई ठोस योजना बनाई गई? क्या आसपास के निजी विद्यालयों की तुलना में सरकारी विद्यालयों को बेहतर बनाने के प्रयास पर्याप्त थे? क्योंकि किसी स्कूल में बच्चों की संख्या कम होना हमेशा उस स्कूल की जरूरत खत्म होने का प्रमाण नहीं होता। कई बार गांव की आबादी का पलायन, रोजगार के लिए परिवारों का बाहर जाना, निजी स्कूलों की बढ़ती संख्या, शिक्षकों की कमी, विद्यालय की खराब छवि या आसपास बेहतर सुविधाओं वाले दूसरे विद्यालय का प्रभाव भी नामांकन घटने का कारण हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल बच्चों का है। एक सरकारी विद्यालय केवल चार दीवारों और एक भवन का नाम नहीं होता। वह गांव के बच्चे के लिए उसके घर के सबसे नजदीक उपलब्ध शिक्षा का अधिकार होता है। खासकर छोटी कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों, बालिकाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए विद्यालय की दूरी बेहद महत्वपूर्ण होती है। एक किलोमीटर, दो किलोमीटर या उससे अधिक की अतिरिक्त दूरी कागज पर भले छोटी दिखाई दे, लेकिन छोटे बच्चे के लिए वह रोज की बड़ी चुनौती हो सकती है।

इसलिए विद्यालयों का विलय यदि किया भी जाए तो उसका आधार केवल छात्र संख्या नहीं होना चाहिए। दूरी, सड़क की स्थिति, बच्चों की उम्र, बालिकाओं की सुरक्षा, स्थानीय आबादी, भविष्य की जनसंख्या वृद्धि, परिवहन की उपलब्धता और विद्यालय की वास्तविक शैक्षिक स्थिति जैसे अनेक मानकों को साथ में देखना होगा। और सबसे बड़ा प्रश्न जो विद्यालय आज बंद हो रहा है, उसकी जमीन और भवन का कल क्या होगा?

सरकारी विद्यालयों की भूमि सार्वजनिक संपत्ति है। यदि विद्यालय किसी दूसरे विद्यालय में विलय हो गया तो पुराने भवन और परिसर को खाली छोड़ देना समाधान नहीं हो सकता। ऐसे परिसरों के उपयोग को लेकर स्पष्ट नीति होनी चाहिए। उन्हें आवश्यकता के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्र, ग्राम स्तरीय पुस्तकालय, कौशल विकास केंद्र, डिजिटल लर्निंग सेंटर, महिला एवं बाल गतिविधि केंद्र, युवा अध्ययन केंद्र या अन्य सार्वजनिक उपयोग में लाया जा सकता है। लेकिन सबसे पहले यह सुनिश्चित होना चाहिए कि विद्यालय बंद करने के बाद उसकी संपत्ति बेकार न पड़े।

यहीं ‘पाठशाला पुकारे’ अभियान का राजनीतिक पक्ष अपनी जगह है, लेकिन उससे उठे सवालों का प्रशासनिक पक्ष उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। समाजवादी पार्टी ने 5 सितंबर को इस मुद्दे को राजनीतिक बहस का विषय बनाया और दावा किया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में प्राथमिक विद्यालय बंद किए गए हैं। अखिलेश यादव ने 26 हजार प्राथमिक विद्यालयों का आंकड़ा भी अपने सार्वजनिक बयान में रखा है। सरकार और विपक्ष के अलग–अलग आंकड़ों और दावों के बीच आम नागरिक के लिए सबसे जरूरी चीज है तथ्य।

कितने विद्यालय वास्तव में बंद हुए? कितने विद्यालय दूसरे विद्यालयों में विलय किए गए? किन विद्यालयों में पिछले पांच वर्षों में कितना निर्माण कार्य हुआ? किस विद्यालय पर कितना पैसा खर्च हुआ? विद्यालय बंद होने के समय वहां कितने बच्चे पढ़ रहे थे? उन्हें कितनी दूरी पर स्थित विद्यालय में भेजा गया? पुराने विद्यालय की जमीन और भवन का अब क्या उपयोग हो रहा है?

इन सवालों का जवाब यदि जिला और ब्लॉक स्तर पर सार्वजनिक कर दिया जाए तो विवाद का बड़ा हिस्सा अपने आप समाप्त हो सकता है। दरअसल शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी गलती यह नहीं होगी कि किसी कम छात्र संख्या वाले विद्यालय का विलय कर दिया गया। बड़ी गलती तब होगी जब बिना दीर्घकालिक योजना के पहले पैसा खर्च किया जाए और बाद में उसी परिसंपत्ति को अनुपयोगी छोड़ दिया जाए।

सरकारी योजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण करना नहीं होना चाहिए। उद्देश्य यह होना चाहिए कि बनाया गया भवन, शौचालय, बाउंड्रीवाल, पानी की व्यवस्था, फर्नीचर और अन्य संसाधन वर्षों तक बच्चों के काम आएं। आज बंद पड़े किसी विद्यालय की तस्वीर में खड़ा नया बाउंड्रीवाल केवल ईंट और सीमेंट की दीवार नहीं है। वह उस सवाल की दीवार भी है जिसके दूसरी तरफ जवाब तलाशता हुआ गांव खड़ा हैकृजब विद्यालय को बचाना नहीं था तो उसे सजाया क्यों गया? और अगर उसे सजाने लायक समझा गया था, तो उसे बचाने की कोशिश क्यों नहीं की गई?

शिक्षा पर खर्च को केवल खर्च मानने के बजाय निवेश माना जाना चाहिए। विद्यालय में लगाया गया हर रुपया आने वाली पीढ़ी में लगाया गया रुपया है। इसलिए विद्यालय खोलना, चलाना, सुधारना और आवश्यकता पड़ने पर पुनर्गठित करनाकृइन सभी फैसलों में दूरदृष्टि जरूरी है। हो सकता है कुछ विद्यालयों का विलय प्रशासनिक दृष्टि से उचित हो। हो सकता है कुछ जगहों पर कम छात्र संख्या के कारण संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल आवश्यक हो। लेकिन हर विद्यालय की कहानी एक जैसी नहीं हो सकती। इसलिए अब जरूरत ‘स्कूल बंद करो या स्कूल खोलो’ की राजनीति से आगे बढ़कर ‘स्कूल बचाओ, शिक्षा सुधारो और सार्वजनिक धन का हिसाब दो’ की बहस की है।

क्योंकि सवाल सिर्फ एक भवन का नहीं है। सवाल उस बच्चे का है जो कल उसी रास्ते से स्कूल जाता। सवाल उस अभिभावक का है जिसने सरकारी स्कूल पर भरोसा किया। सवाल उस शिक्षक का है जिसने वर्षों तक वहां बच्चों को पढ़ाया। और सवाल उस सार्वजनिक धन का है जिससे स्कूल की दीवारें खड़ी हुईं। पाठशाला सचमुच पुकार रही हैकृउसे राजनीतिक नारों से ज्यादा एक स्पष्ट जवाब चाहिए कि उसका भविष्य क्या है।

किताबों से दूर होता समाज और संवेदनाएँ

–डॉ. राजेश कुमार शर्मा–

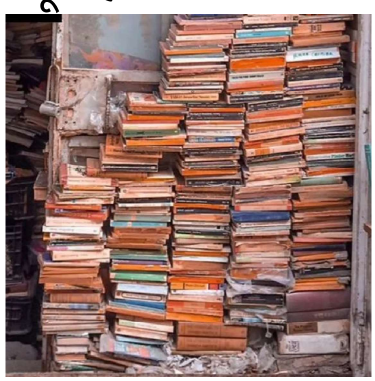

एक समय था दोस्तों जब किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र हुआ करती थीं। वे अकेलेपन में साथ देती थीं, दुख में सांत्वना देती थीं और जीवन के कठिन प्रश्नों के बीच रास्ता दिखाती थीं। पुस्तक के पन्ने पलटना केवल शब्द पढ़ना नहीं था, बल्कि एक दूसरे संसार में प्रवेश करना था। ऐसे संसार में, जहाँ विचार थे, कल्पना थी, संवेदना थी और मनुष्य के भीतर छिपे मनुष्य से मिलने का अवसर था। लेकिन डिजिटल युग ने हमारी इस आदत को बहुत तेजी से बदल दिया है।

आज हमारी उंगलियाँ किताब के पन्नों से अधिक मोबाइल की स्क्रीन पर चलती हैं। कुछ सेकंड के वीडियो, सोशल मीडिया की पोस्ट, त्वरित संदेश और लगातार आती सूचनाओं ने हमारे धैर्य को कम कर दिया है। लंबा लेख पढ़ना कठिन लगता है, उपन्यास के लिए समय नहीं है और कविता पढ़ने के लिए मन बेचैन हो उठता है। सूचना हमारे पास पहले से कहीं अधिक है, लेकिन क्या संवेदना भी उतनी ही बढ़ी है? यह प्रश्न आज गंभीरता से पूछे जाने की आवश्यकता है।

समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि हमारे पढ़ने के बदलते स्वभाव में है। हम किसी विषय को गहराई से समझने के बजाय उसका संक्षिप्त सार जान लेना चाहते हैं। हमें कहानी पूरी पढ़ने के बजाय उसका वीडियो देख लेना आसान लगता है। परिणाम यह है कि हमारा ध्यान लगातार छोटे–छोटे टुकड़ों में बँटता जा रहा है। जबकि साहित्य इसके ठीक विपरीत है। वह हमें ठहरना सिखाता है। कविता हमें शब्दों के बीच छिपी अनुभूति सुनने के लिए प्रेरित करती है और उपन्यास हमें किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन को भीतर से समझने का अवसर देता है। अच्छा साहित्य हमारे भीतर दूसरे के दुःख को समझने की क्षमता पैदा करता है। वह हमें केवल यह नहीं बताता कि क्या हुआ, बल्कि यह भी महसूस कराता है कि उस घटना का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ा।

जब हम प्रेमचंद के पात्रों को पढ़ते हैं तो हमें समाज के उस वर्ग का दर्द दिखाई देता है, जिसे हम शायद अपने दैनिक जीवन में अनदेखा कर देते हैं। जब हम महादेवी वर्मा की रचनाएँ पढ़ते हैं तो संवेदना की एक नई दुनिया हमारे सामने खुलती है। कबीर हमें प्रश्न करना सिखाते हैं, तुलसीदास हमें मानवीय संबंधों की गहराई से परिचित कराते हैं और निराला हमें संघर्ष और स्वाभिमान की चेतना देते हैं। यही संवेदना आज हमारे सामाजिक जीवन में कम होती दिखाई दे रही है।

मुझे याद है नंदन और कादम्बिनी के वो किस्से और कहानियॉ। बरसों पहले नंदन और कादम्बिनी बन्द हो गई। पराग, चन्दामामा, चंपक, चाचा चौधरी, लोटपोट, सारिका, धर्मयुग, दिनमान, साप्ताहिक हिन्दुस्तान जाने कब से बन्द हो गए। अमरचित्र कथाओं और पंचतंत्र का वह सत्यगाथा युग जाता रहा। बन्द तो न जाने क्या क्या हुआ। ओमप्रकाश शर्मा, वेदप्रकाश, रंजीत, गुलशन नंदा का सानी भी कोई पैदा नहीं हुआ। अब न कभी मैथिलीशरण गुप्त आएंगे, न सोहनलाल द्विवेदी, न महादेवी वर्मा न सुभद्राकुमारी चौहान। न सुमित्रनंदन पंत न दिनकर और न जयशंकर प्रसाद। न धर्मवीर भारती न मनोहर श्याम जोशी। न शैल चतुर्वेदी न काका हाथरसी। न प्रेमचंद न अमृतलाल नागर। न शिवानी और न सर्वेश्वर दयाल सक्सेना। नीरज, आदित्य, हुल्लड़,, निर्भय आदि भी कहाँ आ पाएंगे।

कितने नाम गिनाएं जो नहीं आएंगे। यकीन न हो तो पिछले कुछ दशकों को याद कर लीजिए। कौन नया आया ? कोई भी नहीं आया। सृजन का वह दौर ही थम सा गया। गीताप्रेस गोरखपुर चलाने वाले स्वामी रामसुखदास, जयदयाल गोयनका और हनुमान प्रसाद पोद्दार कभी आएंगे क्या ? जी नहीं, जो गया सो गया, वह जमाना बीत गया। वह रात गई और वह बात गई।

हिंदुस्तान प्रकाशन संस्थान अभी कुछ साल पहले तक भी कादम्बिनी और नंदन को चला रहा था, यह भी आश्चर्य ही कहा जाएगा। पाठक वर्ग है कहाँ ? सब डिजिटल और जेब में है। प्रतिलिपि डाउनलोड कर लीजिए किसी का कोई भी उपन्यास पढ़ लीजिये। बच्चों के ज्ञानवर्धन के लिए अब हिंदी की जरूरत माँ बाप को नहीं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सब कुछ उपलब्ध है। युवाओं के लिए, महिलाओं के लिए, अधेड़ों और बुजुर्गों के लिए अपार सामग्री। किसी भी स्वाद का साहित्य, सामान की तरह ऑन शाप। चाहें तो पढ़ें चाहें डाउनलोड करें।

बात एकदम साफ है। किताबों ने छपना बन्द नहीं किया, हमीं ने पढ़ना छोड़ दिया है। हम इस बात को बहुत नजदीक से महसूस कर रहे है क्योंकि शिक्षा जगत से हमारा जुडाव है और सैकडों बच्चे हर साल आते–जाते रहते है। पुस्तक तो जैसे उनके लिए बोझ ही बन गई है। जाने माने लेखक परोसते रहे, हमने खरीदना छोड़ दिया। उनकी लिखी किताबें बुक स्टॉल्स से उठकर पब्लिकेशन हाउसेज में वापस जाती रही, हमें दर्द न हुआ। अनेक लेखकों ने, जो कि बरसों से हमारा मनोरंजन और ज्ञानवर्धन कर रहे थे, लिखना छोड़कर क्लर्की कर ली या दुकानदार बन गए। पढ़ना हमने छोड़ा, यद्यपि इसमें पूरा दोष हमारा नहीं, जमाने का भी है। फिर भी पठन पाठन और चिंतन की सतत धारा थम गई, प्रवाह रुक गया। एक–एक कर साहित्य प्रकाशन संस्थानों का रुझान साहित्य से हटकर शिक्षण संस्थाओं की पाठ्यपुस्तकें छापने तक ही सीमित होता गया। परिणाम यह कि महानगरों को छोड़कर देश के अन्य सैकड़ों प्रकाशन संस्थान बन्द हो गए।

किताबें जाती रही कम्प्यूटर आते रहे। आते–आते जेबों में सिमट आये। इतना ही क्यूँ, बच्चों की पढ़ाई का आधार भी बदल गया, अब तो ऑनलाइन स्टडी का जमाना आ गया है। रीडिंग भी ऑनलाइन, होमवर्क भी ऑनलाइन। इमला भी ऑनलाइन गणित भी ऑनलाइन। एक्जाम भी ऑनलाइन रिजल्ट भी ऑनलाइन। एडमिशन भी ऑनलाइन फीस भी ऑनलाइन। इंटरव्यू भी ऑनलाइन सैलरी भी ऑनलाइन। भिंडी भी ऑनलाइन कार भी ऑनलाइन। बैंकिंग भी ऑनलाइन मार्केटिंग भी ऑनलाइन। देखते ही देखते ए0आई0 का जमाना आ गया ? चाहे जो पूछ लो । सेकिंड्स में चाहे जो लिखवा लो।

,तो फिर दर्द कैसा। बन्द हो गए कादम्बिनी, नंदन और कॉमिक्स तो बन्द हो जाने दीजिए। अचरज कैसा जो गीता प्रेस और सस्ता साहित्य बन्द हो गये। बन्द होने दीजिए सस्ती पाकेट बुक्स। अब तो लोगों ने अखघ्बार तक खरीदने के बजाय नेट पर पढ़ने शुरू कर दिए हैं। मतलब अब बिलगेट्स, गूगल, जुकरबर्ग और व्हाट्सएप को कमाने दीजिये। संचार कम्पनियों के सस्ते डेटा का सुख भोगिये। घर–घर अनलिमिटेड वाई–फाई के जमाने में पत्रिकाओं का अफसोस क्या करें। जमाने ने जो बोया है उसी की तो कटाई करनी है।

इसलिए सचेत होईये, वरना संवेदनाएँ और भावनाएँ इंसान से पूरी तरह मिट जायेगी। समाज पूरी तरह बिखर जायेगा। पठन संस्कृति का पुनर्निर्माण बचपन से ही करना होगा। घर में माता–पिता स्वयं पुस्तक पढ़ें, बच्चों को कहानियाँ सुनाएँ, जन्मदिन पर खिलौनों के साथ किताबें भी दें और सप्ताह में कुछ समय सामूहिक पठन के लिए निर्धारित करें। हमें ऐसे पुस्तकालय चाहिए जो केवल पुस्तकों के भंडार न हों, बल्कि विचार और संवाद के केंद्र बनें। क्योंकि जिस समाज में किताबें केवल अलमारियों की शोभा बन जाएँ और मनुष्य दूसरे मनुष्य की पीड़ा महसूस करना छोड़ दे, वहाँ विकास की चमक के बावजूद भीतर एक गहरा अंधेरा जन्म ले सकता है।

ईओएस–05– भारत की आकाश में आंख

– डॉ. प्रियंका सौरभ–

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह अब शासन व्यवस्था, आपदा राहत, कृषि क्षेत्र, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा में आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये उपग्रह पृथ्वी की सतह, वायुमंडल और महासागरों के बारे में दूरस्थ संवेदन डेटा प्रदान करते हैं और सरकारों को उन परिवर्तनों पर नजर रखने में मदद करते हैं जिन्हें जमीनी प्रणालियों द्वारा आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता है। भारत में पृथ्वी अवलोकन मिशन वर्षों से अच्छी तरह स्थापित है और ळैस्ट–थ्17 पर म्व्–05 का प्रक्षेपण इसकी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भू–तुल्यकालिक कक्षा से इमेजिंग करने की क्षमता भारतीय क्षेत्र का बार–बार अवलोकन करने में सक्षम बनाती है।

EOS-05 का प्रक्षेपण उपग्रह रिमोट सेंसिंग की प्रकृति में बदलाव का एक हिस्सा है। पृथ्वी अवलोकन परंपरागत रूप से निम्न पृथ्वी कक्षा (स्म्व्) में संचालित उपग्रहों का एक प्रमुख अनुप्रयोग रहा है। ये उपग्रह अत्यंत विस्तृत चित्र प्रदान करेंगे, लेकिन इनकी कक्षा के कारण ये केवल नियमित समय अंतराल पर एक विशिष्ट क्षेत्र के ऊपर से गुजरेंगे। यह आवधिक आधार पर कवरेज के लिए बहुत उपयोगी है, लेकिन तेजी से बदलती परिस्थितियों में यह और भी उपयोगी हो सकता है। इन प्रणालियों को एक भू–तुल्यकालिक इमेजिंग उपग्रह द्वारा पूरक किया जा सकता है जो एक बड़े क्षेत्र का लंबे समय तक अवलोकन कर सकता है।

यह विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है जब घटनाएँ दिनों के बजाय घंटों की अवधि में घटित होती हैं। चक्रवात अचानक तीव्र हो सकते हैं या दिशा बदल सकते हैं, बाढ़ व्यापक क्षेत्र में फैल सकती है, जंगल की आग बुझ सकती है या बेकाबू हो सकती है और समुद्री गतिविधियाँ निरंतर परिवर्तनशील अवस्था में हो सकती हैं। उपग्रहों से लगातार अवलोकन द्वारा ऐसी घटनाओं के बारे में अधिक गतिशील जानकारी अधिकारियों को प्रदान की जा सकती है। इसलिए, पृथ्वी अवलोकन प्रणाली की संरचना में म्व्–05 को स्म्व् उपग्रहों के पूरक तत्व के रूप में देखा जाना चाहिए। स्म्व् उपग्रहों का उपयोग विस्तृत चित्र प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है और भू–तुल्यकालिक उपग्रह अधिक स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर सकते हैं।

भारत जैसे विविधतापूर्ण और आपदा–ग्रस्त देश के लिए यह क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन और वन अग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाएँ देश को लगातार प्रभावित करती हैं। प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए प्रारंभिक चेतावनी, त्वरित आकलन और निरंतर निगरानी आवश्यक हैं। बार–बार उपग्रह द्वारा किए गए अवलोकन से अधिकारियों को आपदा की स्थिति के विकास का आकलन करने और प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र पता लगाने में सहायता मिल सकती है। उपग्रह चित्र बाढ़ के दौरान जलमग्न क्षेत्रों का मानचित्रण करने में भी सहायक हो सकते हैं। वन अग्नि की स्थिति में, नियमित निगरानी जले हुए क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तनों की निगरानी में उपयोगी हो सकती है। यह निगरानी चक्रवातों के दौरान बदलते मौसम को समझने में भी सहायक हो सकती है।

लेकिन तस्वीरों का महत्व तभी तक है जब तक उन्हें उपयोगी उत्पाद में परिवर्तित करने में समय और कुशलता बरती जाए।

प्रापर्टी को लेकर घर में हुआ झगड़ा तो दादा की बंदूक लेकर चौकी पहुंच गई युवती, पुलिसकर्मियों के फूले हाथ-पांव

संवाददाता—महराजगंज। जिले की एक पुलिस चौकी में उस समय हड़कंप मच गया जब, जब एक युवती हाथ में लाइसेंसी बंदूक लेकर सीधे चौकी परिसर में दाखिल हो गई। युवती को असलहे के साथ देखकर चौकी पर मौजूद पुलिस कर्मियों के हाथ—पांव फूल गए। पहले तो पुलिस कर्मी कुछ समझ ही नहीं पाए कि मामला क्या है। कुछ देर बाद युवती रोते—बिलखते हुए परिजनों पर मारपीट का आरोप लगाने लगी और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से जब पुलिस कर्मियों ने उससे बंदूक जमा कराने का प्रयास किया, तो उसने असलहा देने से साफ इनकार कर दिया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल डायल—112 की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में मामला जमीन की रजिस्ट्री से जुड़े पारिवारिक विवाद का निकला। बताया जा रहा है कि जमीन अपने नाम दर्ज कराने को लेकर घर में कहासुनी और मारपीट हुई थी, जिसके बाद युवती गुस्से में बंदूक लेकर सीधे चौकी पहुंच गई। जांच में सामने आया कि लाइसेंसी बंदूक पहले युवती के परदादा के नाम पर थी, जो बाद में दादा के नाम पर वरासतन दर्ज हुई। युवती के पिता दो भाई है। युवती के परिवार में केवल दो बहनें हैं। बताया जा रहा है कि युवती के दादा का किसी बैंक में गार्ड की नौकरी मिली है। युवती का कहना है कि बंदूक के बदले दादा दो डिस्मिल जमीन उसके परिवार के नाम रजिस्ट्री कर दें। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद है। पुलिस इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती के परिजनों को चौकी तलब किया और पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। श्यामदेउरवा थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह का कहना है कि परिजनों से पूछताछ और जांच पूरी होने के बाद ही मारपीट व विवाद की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पोषणयुक्त समाज सशक्त राष्ट्र की आधारशिला —प्रो. जितेंद्र

संवाददाता—गोण्डा। शहर के एलबीएस डिग्री कॉलेज में पोषण सप्ताह के समापन पर स्वस्थ पोषण, देश रोशन विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता और भव्य जागरूकता रैली आयोजित की गई। प्रभारी प्राचार्य प्रो. जितेंद्र सिंह के निर्देश पर सांस्कृतिक समिति की प्रभारी डॉ. चमन कौर के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्लोगन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रचनात्मक संदेशों के माध्यम से संतुलित आहार, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली का महत्व बताया। इसके बाद महाविद्यालय परिसर से मुख्य सड़क तक जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यार्थियों ने हाथों में पोषण संबंधी संदेश लिखी तख्तियां और सिर पर नारे लिखी टोपियां पहनकर पौष्टिक आहार अपनाने, जंक फूड से बचने, स्वच्छता रखने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।रैली के समापन पर प्रो. जितेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला हैं और पोषणयुक्त समाज से ही विकसित एवं सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उप मुख्य नियंत्रक प्रो. अरविंद कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के अनुशासन और सक्रिय सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. मनोज मिश्रा, डॉ. हरीश शुक्ला, डॉ. रचना श्रीवास्तव, डॉ. ममता शुक्ला, डॉ. मुक्ति टंडन, डॉ. स्मृति शिशिर, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ. मनीषा पाल, डॉ. धर्मेंद्र शुक्ला, डॉ. ईला तिवारी और डॉ. योगेंद्र नाथ श्रीवास्तव का सहयोग रहा।

फंदे से लटकता मिला किशोरी का शव

संवाददाता—महराजगंज। कोठीभार थाना क्षेत्र के ग्राम कटहरी कला में सोमवार दोपहर में एक किशोरी का शव फंदे से लटका हुआ मिला। किशोरी ने छत की कुंडी में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के समय परिजन कहीं गए हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। कटहरी कला निवासी मजहर की 15 वर्षीय पुत्री नजमा ने अपने ही घर के भीतर छत की कुंडी में दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। करीब दो घंटे बाद परिजनों को जब घटना की जानकारी हुई तो घर में कोहराम मच गया।

किशोरी के आत्महत्या के कारणों का कुछ पता नहीं चल सका है। घ्सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया। शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवा कर फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य संकलन करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुट गई। एसओ कोठीभार अखिलेश कुमार वर्मा ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। फोरेंसिक टीम व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सकेगा।

डोल मेला ड्यूटी से लौट रहे सब इंस्पेक्टर को कंटेंनर ने रौंदा, मौत

संवाददाता—कुशीनगर। रविंद्र नगर थाना क्षेत्र के सरस्वती चौक बायपास मार्ग पर सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक सब इंस्पेक्टर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सब इंस्पेक्टर भवानी प्रसाद पांडे के रूप में हुई है। वह सेवरही थाने में तैनात थे। मूल रूप से बस्ती जनपद के भानपुर थाना क्षेत्र के रामनगर कटवटिया के ग्राम नाथूपुर के रहने वाले थे। सेवरही थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर भवानी प्रसाद पांडेय अपनी बाइक से पडरौना डोल मेला ड्यूटी पर आए थे। ड्यूटी पूरी कर सोमवार को दोपहर बाद सेवरही जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात कंटेनर ने उनकी बाइक में ठोकर मारने के बाद उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की एक बड़ी वजह सड़क के आधे हिस्से पर फैली निर्माण सामग्री को भी माना जा रहा है। बताया जाता है कि सड़क के आधे हिस्से पर गिट्टी और बालू गिराकर मकान निर्माण का कार्य कराया जा रहा था। आवागमन के लिए सड़क का केवल आधा हिस्सा ही बचा था, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी संकरे रास्ते से भारी और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के बीच यह दर्दनाक हादसा हो गया। यह मार्ग बिहार, कुबेरस्थान और तुर्कपट्टी की ओर जाने वाले भारी वाहनों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। ऐसे में सड़क पर निर्माण सामग्री डालकर मार्ग को बाधित किया जाना हादसे की आशंका को और बढ़ा रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही रविंद्र नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात कंटेनर और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

पुलिस टीम पर पथराव करने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार, हाथ जोड़कर माफी मांगते दिखे

संवाददाता—गोण्डा। कौड़िया में पीआरवी टीम पर ईंट—पत्थर और फरसे से हमला करने वाले दो सगे भाइयों गिरवर दयाल और शिवदयाल को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद दोनों माफी मांगते नजर आए।

पुलिस के मुताबिक, दोनों पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। गोंडा के कौड़िया थाना क्षेत्र में गश्त कर रही च्त्ट टीम पर पथराव और फरसे से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो सगे भाइयों गिरवर दयाल उर्फ नागा और शिवदयाल उर्फ सचिन उर्फ ददऊ को सोमवार तड़के करीब चार बजे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों का माफी मांगते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

घटना छह और सात अगस्त की दरमियानी रात छिरास गांव में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, गश्त के दौरान च्त्ट वाहन पर कुछ लोगों ने ईंट—पत्थर बरसाए। सूचना पर कौड़िया थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि गिरवर दयाल और शिवदयाल ने पुलिस टीम पर भी ईंट—पत्थरों से हमला कर दिया। इस दौरान फरसे से भी वार किया गया। हमले में कई पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर प्राथमिक उपचार कराया गया। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने करीब 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सामने आए वीडियो में दोनों पुलिसकर्मियों से माफी मांगते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे पुलिस पर ईंट—पत्थर और फरसा चलाने की बात स्वीकार करते हुए कहते हैं कि उनसे गलती हो गई और आगे ऐसी गलती नहीं होगी।

पुलिस के मुताबिक, गिरवर दयाल के खिलाफ कौड़िया थाने में पहले से पांच मुकदमे दर्ज हैं, जबकि शिवदयाल पर दो मुकदमे हैं। पुलिस अब हमले की वजह, घटना में शामिल अन्य लोगों और इस्तेमाल किए गए हथियारों के संबंध में जांच कर रही है। सीओ करनैलगंज आनंद राय ने बताया कि पीआरवी टीम पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई करते हुए दोनों सगे भाइयों को गिरफ्तार किया गया है। घायल पुलिसकर्मियों का प्राथमिक उपचार कराया गया। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस सचिव अब्दुल हन्नान ने सरकार पर साधा निशाना, बोले—कार्यकर्ताओं का भ्रम जल्द दूर होगा

संवाददाता—बलरामपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव और अवध जोन के नए सह—प्रभारी अब्दुल हन्नान सोमवार को संगठनात्मक दौरे पर बलरामपुर पहुंचे। एमएलके पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने संगठन विस्तार, 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों और प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर पार्टी की रणनीति पर बात की। अब्दुल हन्नान ने बताया कि जिम्मेदारी मिलने के बाद यह उनका परिचयात्मक दौरा है। गोंडा के बाद वे बलरामपुर और श्रावस्ती के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि दौरे का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं से संवाद कर जमीनी समस्याओं को समझना और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना है।

राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। कांग्रेस जनता के बीच जाकर सरकार की कथित नाकामियों को उठाएगी। बेरोजगारी, बढ़ते अपराध, पेपर लीक, युवाओं के रोजगार का संकट और सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति जैसे मुद्दों को लेकर पार्टी सड़क पर संघर्ष करेगी। उन्होंने राम मंदिर निर्माण में चंदे में कथित अनियमितता का मुद्दा भी उठाया।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के तालमेल को लेकर अब्दुल हन्नान ने कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि दोनों दलों के बड़े नेताओं के बीच बातचीत चल रही है और कांग्रेस को सम्मानजनक सीटें मिलेंगी। उनके मुताबिक, सीटों को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच बना भ्रम जल्द दूर हो जाएगा। सांसद इमरान मसूद के सपा के खिलाफ दिए गए बयानों पर अब्दुल हन्नान ने कहा कि यह उनका निजी विचार हो सकता है। पार्टी की आधिकारिक लाइन स्पष्ट है कि गठबंधन के तहत सभी दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। राजनीति में इस्तेमाल हो रहे दिमागी नक्सल जैसे शब्दों पर उन्होंने कहा कि जो लोग अपने अधिकारों और जनता की समस्याओं की बात करते हैं, उन्हें इस तरह के नाम देकर बदनाम करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप लगाने वालों की मानसिकता को इससे समझा जा सकता है। अब्दुल हन्नान ने सरकारों की लोकलुभावन योजनाओं और चुनावी वादों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों में वादे करने के बाद अब लोगों को शर्तें और नोटिस दिए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता राजनीतिक रूप से जागरूक है और वह इस तरह की जुमलेबाजी में नहीं आएगी।

कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सोहेल अख्तर अंसारी, जिलाध्यक्ष शिवलाल, पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज सिंह, पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू और डॉ. पंकज गुप्ता समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण पर चला प्रशासन का अभियान

संवाददाता—बलरामपुर। ललिया थाना क्षेत्र के मथुरा बाजार चौराहे पर सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे अतिक्रमण को सोमवार को प्रशासन ने हटवा दिया। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता और राजस्व टीम की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। सड़क को चौड़ा करने के लिए करीब तीन महीने पहले ही स्थल की नाप—जोख कर दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। इसके बावजूद सड़क किनारे बने टीन शेड और पान की गुमटियां नहीं हटाई गई थीं। सोमवार को अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर इन्हें हटाने की कार्रवाई की। मथुरा बाजार चौराहा क्षेत्र में सड़क के किनारे दुकानदारों की ओर से टीन शेड और पान की गुमटियां लगाई गई थीं। इससे सड़क के चौड़ीकरण और निर्माण कार्य में दिक्कत आ रही थी। लोक निर्माण विभाग की ओर से सड़क को व्यवस्थित और चौड़ा करने की योजना के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

अतिक्रमण हटाने से करीब तीन महीने पहले प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सड़क की नाप—जोख की थी। उस समय तहसीलदार संतोष राम के साथ लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, हल्का लेखपाल और अन्य प्रशासनिक कर्मचारी मौजूद थे। टीम ने सड़क चौड़ीकरण के लिए आवश्यक भूमि का चिन्हांकन किया था। नाप—जोख के दौरान अधिकारियों ने मथुरा बाजार के दुकानदारों को सड़क चौड़ीकरण की जानकारी दी थी। दुकानदारों से कहा गया था कि वे अपनी दुकानों के सामने लगे टीन शेड और पान की गुमटियां स्वयं हटा लें, ताकि सड़क निर्माण के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। प्रशासन की ओर से पहले ही अतिक्रमण हटाने के लिए कहे जाने के बाद भी कई स्थानों पर अतिक्रमण बना हुआ था।

सोमवार को लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता और राजस्व टीम मथुरा बाजार चौराहे पर पहुंची। टीम ने सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान सड़क किनारे लगे टीन शेड और गुमटियों को हटाया गया। अधिकारियों ने सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अन्य अतिक्रमण को भी हटाने की कार्रवाई की। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद सड़क चौड़ीकरण का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर सड़क के संकरी होने के कारण वाहनों की आवाजाही में परेशानी होती थी। सड़क चौड़ी होने से आवागमन सुगम होने के साथ राहगीरों और वाहन चालकों को राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक सड़क चौड़ीकरण से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए अतिक्रमण हटाना जरूरी था। इसी क्रम में सोमवार को कार्रवाई की गई।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान, कार्यशाला का आयोजन, पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारियां

संवाददाता—कुशीनगर। भाजपा जिला कार्यालय पर सेवा संकल्प अभियान को लेकर एक कार्यशाला हुई। यह कार्यक्रम सोमवार दोपहर करीब एक बजे शुरू हुआ और दो घंटे से ज्यादा समय तक चला। इसमें अभियान की जानकारी दी गई और पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यशाला को नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सत्येन्द्र सिन्हा ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच के अनुसार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के मकसद से काम कर रही है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार सिन्हा ने बैठक में मौजूद पार्टी के जनप्रतिनिधियों और अलग—अलग इकाइयों के पदाधिकारियों से अभियान में बढ़—चढ़कर हिस्सा लेने को कहा। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने भी कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के सामाजिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में अपनी हिस्सेदारी तय करने को कहा। बैठक में सेवा संकल्प उत्सव अभियान के मकसद और संगठन की ओर से किए जाने वाले सेवा कार्यों की जानकारी दी गई। पदाधिकारियों से अभियान को बूथ और मंडल स्तर तक अच्छे से पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने और तय कार्यक्रमों को समय पर पूरा करने पर भी बात हुई।

इस कार्यशाला में सांसद विजय कुमार दूबे, विधायक मनीष जायसवाल और विधायक विवेकानंद पांडेय मौजूद थे। इनके अलावा प्रदेश और क्षेत्र के पदाधिकारी, मोर्चों के पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के संयोजक, जिला पदाधिकारी, अभियान के जिला संयोजक व सहसंयोजक, मंडल प्रभारी और मंडल अध्यक्ष समेत दूसरे पदाधिकारी भी शामिल हुए। आईटी और सोशल मीडिया टीम के संयोजक—सहसंयोजक सहित संगठन से जुड़े अन्य पदाधिकारियों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। सभी कार्यकर्ताओं से मिलकर काम करने को कहा गया ताकि अभियान सफल हो सके।

गर्भवती महिला की निजी अस्पताल में मौत, परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया

संवाददाता—बहराइच। जरवलरोड थाना क्षेत्र में निजी अस्पताल में इलाज के दौरान गर्भवती महिला की मौत हो गई। परिजनों ने सीएचसी मुस्तफाबाद में तैनात डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही बरतने और ओवरडोज दवा देने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निजी अस्पताल को सील कर दिया। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में ग्राम सपसा निवासी उदयवीर सिंह ने बताया कि उनके छोटे भाई धर्मवीर सिंह की पत्नी ऋचा सिंह गर्भवती थीं। छह सितंबर को परिजन उन्हें प्रसव के लिए सीएचसी मुस्तफाबाद लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि वहां तैनात डॉक्टर कल्पना साहू ने ऋचा को अपने निजी अस्पताल आरोग्य विकल्प रिठौरा केंद्र, जरवल रोड ले जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन गर्भवती महिला को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों के अनुसार, निजी अस्पताल में डॉक्टर कल्पना साहू ने ऋचा का इलाज शुरू किया। आरोप है कि इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई और उन्हें ओवरडोज दवा दे दी गई। इसी दौरान रात करीब 10 बजे ऋचा सिंह की मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। उन्होंने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मामले की शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और निजी अस्पताल को सील कर दिया। सीएमओ संजय शर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच के आधार पर अस्पताल को सील किया गया है। संचालक को तीन दिन का समय दिया गया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड की जांच की जाएगी। रिकॉर्ड और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस भी परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पीडीए की जन पंचायत में उठे कई मुद्दे, बूथ की मजबूती पर जोर

संवाददाता—महराजगंज। समाजवादी पार्टी की ओर से महराजगंज शहर के एक मैरेज हाल में पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री व सपा के राष्ट्रीय सचिव रामाश्रय विश्वकर्मा रहे। जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव की अध्यक्षता में हुई जन पंचायत में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य के मुद्दे उठाते हुए आवाज बुलंद की गई। मुख्य अतिथि रामाश्रय विश्वकर्मा ने कहा कि सत्ताधारी सरकार में पीडीए समाज के लोगों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को फंसाया जा रहा है। आम जनता का जीवन यापन करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक होना खासकर पीडीए समाज के युवाओं को नौकरी से वंचित किया जाना है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही सभी बंद पड़े योजनाओं को चालू करके आम जनता का जीवन सुगम बनाया जाएगा। इस दौरान जिला, निर्मेश मंगल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश यादव, बिंद्रेश कनौजिया, प्रणय गौतम, श्रवण पटेल, मक्कू प्रसाद, सुदामा प्रसाद, श्रीपति आजाद,डाएसएस पटेल, विजय यादव, सुरेन्द्र भारती ने भी संबोधित किया। संचालन विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष नौशाद आलम ने किया।

योगी से हाथों सम्मानित शिक्षक पहुंचे स्कूल, नौनिहालों ने बरसाए फूल

संवाददाता—गोण्डा। क्षेत्र के गोकुला स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को उस समय उत्सव जैसा माहौल बन गया, जब राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद प्रधानाध्यापक सुमित मित्र पाण्डेय पहली बार स्कूल पहुंचे। अपने गुरु के सम्मान में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय के गेट से लेकर परिसर तक छात्र—छात्राओं ने कतारबद्ध होकर अपने प्रधानाध्यापक का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों राज्य अध्यापक पुरस्कार से अलंकृत होकर विद्यालय पहुंचे सुमित मित्र पाण्डेय के स्वागत के लिए शिक्षक संघ के पदाधिकारी और साथी शिक्षक पहले से ही स्कूल के मुख्य द्वार पर फूल—माला लेकर मौजूद थे। उनके विद्यालय पहुंचते ही शिक्षकों ने फूल—माला से उनका अभिनंदन किया। थाना नवाबगंज के एसओ अभय सिंह ने भी शाल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद छात्राओं ने अपने प्रधानाध्यापक के माथे पर तिलक लगाया और आरती उतारकर उनका स्वागत किया। छात्र—छात्राओं ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया। विद्यालय परिसर में दोनों ओर बच्चे हाथों में गुलाब की पंखुड़ियां लेकर कतारबद्ध खड़े रहे और जैसे ही प्रधानाध्यापक ने जैसे ही स्कूल में प्रवेश किया बच्चों ने पुष्पवर्षा कर उनका भव्य अभिनंदन किया। गुरु के सम्मान में बच्चों की ओर से किए गए इस आत्मीय स्वागत ने पूरे वातावरण को भावुक और गौरवपूर्ण बना दिया। इस दौरान शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुशील पाण्डेय, महामंत्री प्रदीप सिंह, शिक्षक विवेक त्रिपाठी, शिवम श्रीवास्तव, धर्मेंद्र तिवारी, जयचंद्र वर्मा, अशोक यादव समेत दर्जनों शिक्षक मौजूद रहे।बच्चों के स्नेह और सम्मान से भावुक हुए प्रधानाध्यापक सुमित मित्र पाण्डेय ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि विद्यालय के बच्चों, अभिभावकों और साथी शिक्षकों का भी है। उन्होंने कहा कि इन बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार और बेहतर भविष्य की नींव मजबूत करना ही मेरे जीवन का संकल्प है। विद्यालय में हुए इस सम्मान समारोह ने गुरु—शिष्य परंपरा की खूबसूरत तस्वीर पेश की और पूरे क्षेत्र में इसकी चर्चा रही।

4 साल की बच्ची खेत में घायल मिली, 4 दिन से लापता थी

संवाददाता—बहराइच। फखरपुर थाना क्षेत्र में चार दिन पहले लापता हुई चार साल की बच्ची सोमवार सुबह शेरपुरवा गांव के पास एक खेत में घायल मिली। बच्ची के मिलने की खबर से परिवार में हड़कंप मच गया। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

बच्ची 4 सितंबर को अपने घर के पास खेल रही थी, तभी अचानक लापता हो गई थी। परिवार ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सोमवार को शेरपुरवा गांव के पास खेत में ग्रामीणों ने उसे घायल हालत में देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस और परिवार को इसकी जानकारी दी। बच्ची की आंख और चेहरे पर चोट के निशान हैं। उसका होंठ भी कटा हुआ बताया जा रहा है। चार दिन बाद बच्ची के घायल मिलने से कई सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची चार दिनों तक कहां थी और उसके साथ क्या हुआ। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच कर रही है। फखरपुर थानाध्यक्ष रामकुमार राजभर ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटना में शामिल आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

त्रिमुहानी पुल से कक्षा सात के छात्र ने लगाई छलांग

संवाददाता—महराजगंज। रोहिन नदी पर बने त्रिमुहानी पुल से सोमवार को कक्षा सात के एक छात्र के छलांग लगाने की जानकारी मिली है। छात्र के नदी में गिरने की आशंका के बाद सदर कोतवाली और फरेंदा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

पुल पर छात्र की साइकिल और स्कूल बैग मिला है, जिससे परिजनों की परेशानी बढ़ गई है। छात्र की पहचान लखरहिया गांव निवासी हिमांशु यादव के रूप में हुई है। वह खुटहा स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में कक्षा सात का छात्र है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हिमांशु सोमवार को रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान उसके त्रिमुहानी पुल पर पहुंचने और वहां से रोहिन नदी में छलांग लगाने की जानकारी सामने आई। पुल पर छात्र की साइकिल और स्कूल बैग मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही छात्र के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और पुल व नदी के किनारे के क्षेत्र में खोजबीन शुरू कर दी है। छात्र की तलाश के लिए नदी में भी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस नदी के आसपास के संभावित स्थानों पर खोजबीन कर रही है। हालांकि, छात्र ने पुल से छलांग क्यों लगाई, इसका कारण अभी साफ नहीं हो सका है। पुलिस छात्र के स्कूल जाने के दौरान की गतिविधियों और घटना से पहले की परिस्थितियों की भी जानकारी इकट्ठा कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही घटना के कारणों के संबंध में सही जानकारी मिल पाएगी।

गुंबद हादसे के बाद नगर निगम अलर्ट, श्मशान घाट के कई ढांचे असुरक्षित घोषित, दरार मिली

संवाददाता–गोरखपुर। राप्ती तट स्थित श्रीगोरक्ष घाट परिसर में गाजीबो का गुंबद गिरने की घटना के बाद नगर निगम ने परिसर में बने अन्य ढांचों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। नगर निगम की टीम ने सोमवार को श्रीराम एवं श्रीगोरक्ष घाट परिसर में स्थित अन्य गाजीबो और प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। जांच के दौरान प्रवेश द्वार में हल्की दरार दिखाई दी। एहतियात के तौर पर नगर निगम ने संबंधित ढांचों के आसपास बैनर लगाकर लोगों से दूर रहने की अपील की है। नगर आयुक्त अजय जैन के निर्देश पर अधिशासी अभियंता अशोक भाटी ने सहायक अभियंता और अवर अभियंता के साथ राजघाट पहुंच कर श्रीगोरक्ष घाट और श्रीराम घाट गाजीबो और प्रवेश द्वार की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रवेश द्वार में हल्की दरार मिलने के बाद वहां लोगों की आवाजाही को लेकर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। नगर निगम की ओर से संभावित खतरे वाले स्थानों के आसपास बैनर लगाए गए हैं। नगर आयुक्त अजय जैन ने हादसे को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर परिसर में फ्लेक्स बैनर लगाए गए हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे संबंधित ढांचों के आसपास न जाएं और सुरक्षा के लिहाज से सावधानी बर राजघाट में रविवार को तेज बारिश के दौरान बिजली की आवाज के साथ गजीबो का गुंबद गिर गया था। हादसे में अधिवक्ता संजय सिंह और अधिवक्ता आलोक अस्थाना गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान दोनों अधिवक्ताओं की मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद नगर निगम ने परिसर में बने अन्य ढांचों की सुरक्षा की जांच शुरू कर दी है। वहीं जिलाधिकारी ने भी निर्माण कार्यो की जांच के आदेश के साथ कमेटी भी गठित कर दी है। दरअसल अधिवक्ता विनोद तिवारी की मां का रविवार को राजघाट पर अंतिम संस्कार था। इसमें शामिल होने के लिए अधिवक्ता आलोक अस्थाना और संजय सिंह भी घाट पहुंचे थे। अंतिम संस्कार के दौरान बारिश शुरू होने पर दोनों कैनोपी में बैठ गए। इसी दौरान गुंबद ढह गया और दोनों मलबे में दब गए। लोगों ने मलबा हटाकर बाहर निकाला। आरोप है कि सूचना के बावजूद 108 एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। संजय सिंह को मैजिक और आलोक अस्थाना को ऑटो से जिला अस्पताल भेजा गया। वहां से आलोक को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं रेफर किए जाने के बाद संजय सिंह की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस लाइन सिद्धार्थनगर में हर माह लगता है स्वास्थ्य शिविर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

सिद्धार्थनगर। आमजन एवं पुलिसकर्मियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष विभाग के होम्योपैथी विभाग द्वारा पुलिस लाइन सिद्धार्थनगर में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर ध्यान देने तथा आवश्यकता पड़ने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर पुलिसकर्मियों की व्यस्त एवं चुनौतीपूर्ण ड्यूटी को देखते हुए उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देना बेहद आवश्यक है। पुलिस लाइन में आयोजित होने वाला स्वास्थ्य शिविर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वस्थ दिनचर्या, तनाव प्रबंधन और बीमारियों से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी जाती है।

होम्योपैथी विभाग द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को पुलिस लाइन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समय रहते पहचानने के लिए प्रेरित करना है। विभाग की ओर से लोगों से अपील की गई है कि वे शिविर का लाभ उठाएं और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें। समय पर चिकित्सकीय परामर्श और सही स्वास्थ्य जानकारी बीमारी को गंभीर रूप लेने से रोकने में सहायक हो सकती है। पुलिसकर्मी कानून–व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ आम नागरिकों की सुरक्षा में दिन–रात अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। अनियमित ड्यूटी और लगातार कार्य के दबाव के बीच उनके स्वास्थ्य का बेहतर रहना भी जरूरी है। ऐसे स्वास्थ्य शिविर पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उद्देश्य लोगों तक स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी पहुंचाना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है।

आयुष विभाग का उद्देश्य केवल बीमारी होने के बाद उपचार तक सीमित न रहकर रोगों से बचाव, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा देना है। पुलिस लाइन में नियमित स्वास्थ्य शिविर इसी सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें, समय पर चिकित्सकीय सलाह लें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएंकृ यही स्वस्थ समाज की मजबूत नींव है।

सवर्ण समाज की चार सूत्रीय मांगों को लेकर बांसी में प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बांसी (सिद्धार्थनगर)। सवर्ण समाज से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को बांसी में समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदेश सचिव सवर्ण आर्मी विनोद कुमार दुबे के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में सवर्ण समाज के लोग एकत्रित हुए और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम बांसी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने पहुंचे लोगों ने कहा कि सवर्ण समाज से जुड़े कई मुद्दे लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। समाज की ओर से इन मुद्दों को लेकर शासन–प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को बांसी तहसील में बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्रित हुए और चार प्रमुख मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। सवर्ण समाज की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से चार सूत्रीय मांगें रखी गईं।

UGC कानून वापस लिया जाए। समाज के प्रतिनिधियों ने UGC कानून को वापस लेने की मांग उठाते हुए कहा कि इस विषय पर सरकार को समाज की चिंताओं को गंभीरता से समझते हुए उचित निर्णय लेना चाहिए। आरक्षण व्यवस्था में संशोधन किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण व्यवस्था में संशोधन किए जाने की मांग की। उनका कहना था कि आरक्षण से जुड़े प्रावधानों की समीक्षा कर ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिसे वे अधिक न्यायसंगत मानते हैं। ज्ञापन में SC/ST एक्ट को समाप्त करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। समाज के लोगों ने इस कानून को लेकर अपनी आपत्तियां और चिंताएं शासन तक पहुंचाने की बात कही। सवर्ण समाज की समस्याओं और मांगों को प्रभावी तरीके से शासन के सामने रखने के लिए अलग से सवर्ण आयोग के गठन की मांग की गई। समाज के लोगों का कहना था कि सवर्ण समाज से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए एक प्रभावी संस्थागत व्यवस्था होनी चाहिए। ज्ञापन कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में सवर्ण समाज के लोग शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने अपनी मांगों को लेकर एकजुटता दिखाई और शासन से इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

प्रदेश सचिव विनोद कुमार दुबे ने नेतृत्व करते हुए कहा कि समाज की मांगों को शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से शासन–प्रशासन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा और मांगों को लेकर आगे भी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में समाज के प्रतिनिधियों ने ेक्ड बांसी को ज्ञापन सौंपते हुए चारों मांगों पर शासन स्तर से विचार कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से समाज की समस्याओं और अपेक्षाओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया गया। बांसी में हुए इस कार्यक्रम के दौरान सवर्ण समाज के लोगों की बड़ी मौजूदगी देखने को मिली। कार्यक्रम के माध्यम से समाज के लोगों ने अपनी मांगों को एक मंच पर रखते हुए शासन से इस दिशा में सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई। सवर्ण समाज की ओर से कहा गया कि उनकी चार सूत्रीय मांगों को लेकर आवाज आगे भी उठाई जाती रहेगी और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात शासन–प्रशासन तक पहुंचाने का सिलसिला जारी रहेगा।

मण्डलीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में मनोज, इमरान ने मारी बाजी

–जनपदीय मलखंब प्रतियोगिता में शिवांशी, सबीना का दबदबा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। माध्यमिक विद्यालयीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत सोमवार को जिले में अलग–अलग स्थानों पर मंडलीय भारोत्तोलन और जनपद स्तरीय मलखंब प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। भारोत्तोलन में खिलाड़ियों ने ताकत और तकनीक का प्रदर्शन करते हुए पदक के लिए जोर लगाया। मंडलीय भारोत्तोलन में 30 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। वहीं, मलखंब में मेजबान विद्यालय के खिलाड़ियों का दबदबा रहा।

पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज श्रृंगीनारी में मंडलीय माध्यमिक विद्यालयीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य राम जी राय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पूजन–अर्चन कर किया। अंडर–17 बालक वर्ग के 60 किग्रा भार वर्ग में जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार के मो. इमरान ने 102 किग्रा भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल किया। किसान इंटर कॉलेज भानपुर के संदीप ने 84 किग्रा के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। 56 किग्रा भार वर्ग में किसान इंटर कॉलेज भानपुर के शिवम ने 96 किग्रा उठाकर पहला और जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार के शमशाद रजा ने 74 किग्रा के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। 71 किग्रा वर्ग में किसान इंटर कॉलेज भानपुर के पारसनाथ 88 किग्रा उठाकर प्रथम रहे। अंडर–17 बालिका वर्ग के 48 किग्रा में खुशी वर्मा ने 55 किग्रा के साथ प्रथम और रौनक पाण्डेय ने 38 किग्रा के साथ द्वितीय स्थान पाया। 58 किग्रा वर्ग में आशू 74 किग्रा के साथ प्रथम और पूनम 62 किग्रा के साथ द्वितीय रहीं। अंडर–19 बालिका वर्ग के 58 किग्रा में नेशनल इंटर कॉलेज हर्रैया की काजल ने स्नैच में 33 और क्लीन एंड जर्क में 41 किग्रा सहित कुल 74 किग्रा उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जीआईसी श्रृंगीनारी की रंजू वर्मा दूसरे स्थान पर रहीं। अंडर–19 बालक वर्ग में 60 किग्रा में नीलेश पाल 92 किग्रा के साथ प्रथम और सतीश पाण्डेय 82 किग्रा के साथ द्वितीय रहे। 65 किग्रा में राघव मौर्य ने 97 किग्रा के साथ पहला और बंशी मौर्य ने 95 किग्रा के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। 79 किग्रा में मनोज ने 109 किग्रा उठाकर बाजी मारी, जबकि 88 किग्रा में अनोमल कसौधन 97 किग्रा के साथ प्रथम रहे। भारोत्तोलन प्रतियोगिता में अमरनाथ मौर्य, राम शंकर और रमेश चंद्र गुप्ता ने निर्णायक की भूमिका निभाई। संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षक प्रभाकर ओझा ने किया। जनता इंटर कॉलेज भादी मंझरिया में जनपद स्तरीय मलखंब प्रतियोगिता हुई। जूनियर बालिका वर्ग में शिवांशी यादव प्रथम, खुशी द्वितीय और अंशिका तृतीय रहीं। सीनियर बालिका वर्ग में सबीना प्रथम, रागिनी द्वितीय और सपना तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता का उद्घाटन केडी द्विवेदी ने किया। संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षक बृजेश वर्मा ने किया।

दोस्त निकला आस्तीन का सांप, मदद के बहाने घर आया और पत्नी को ही भगा ले गया

संवाददाता–गोरखपुर। दोस्ती पर भरोसा करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। दोस्ती की आड़ में वह आस्तीन का सांप निकला। आरोप है कि मदद के बहाने घर आने–जाने वाले दोस्त ने पहले उसकी पत्नी को शादी का झांसा दिया, फिर अपने साथ दिल्ली और गुरुग्राम भगा लिया। पत्नी की तलाश और उसके बारे में पूछने पर अब पति को जान से मारने की धमकी देने और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने नहीं सुनी तो पीड़ित ने कोर्ट के जरिए मामले में मुकदमा दर्ज कराकर पत्नी को वापस दिलाने और आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। उसके बाद मामला दर्ज किया गया है। ये मामला उरुवा क्षेत्र के दुधरा आशा नंदनपुर का है। यहां रहने वाले धीरज प्रताप सिंह ने तहरीर देते हुए बताया कि खोराबार के सिक्टौर के रहने वाले ऋषभ कुमार सिंह से उसकी पुरानी पहचान थी। ऋषभ का उसके घर आना–जाना था। आरोप है कि इसी दौरान उसने उसकी पत्नी को शादी का झांसा दिया और करीब एक साल पहले बहला–फुसलाकर दिल्ली–गुरुग्राम ले गया। जानकारी मिलने के बाद धीरज ने पत्नी को वापस लाने और ऋषभ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। तहरीर के मुताबिक, तीन अगस्त को धीरज अपने पिता की दवा लेने गोरखपुर आया था। ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस चौकी के पास बस से उतरने के दौरान उसकी मुलाकात ऋषभ से हो गई। पत्नी के बारे में पूछने पर आरोप है कि ऋषभ भड़क गया और गाली–गलौज करते हुए धीरज की पिटाई शुरू कर दी। आरोपित ने उसे धमकी दी कि वह पत्नी को भूल जाए और उसका पीछा करना छोड़ दे, वरना उसकी हत्या करवा देगा। शोर सुनकर राहगीरों ने बीच–बचाव किया, तब उसकी जान बची।

धीरज का आरोप है कि मारपीट के दौरान ऋषभ उसकी जेब से दो हजार रुपये और घड़ी भी ले गया। उसने यह भी आरोप लगाया कि ऋषभ ने उसकी पत्नी को उसकी साली गुड़िया, शालिनी और सास संयोगिता देवी की मदद से दिल्ली–गुरुग्राम ले जाकर रखने की बात कही। पीड़ित के मुताबिक, घटना के बाद उसने ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस चौकी पर शिकायत दी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद चार अगस्त को पंजीकृत डाक से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत भेजी। कार्रवाई नहीं होने पर उसने न्यायालय के माध्यम से प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। मामले में धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है।

पीडब्लूडी ऑफिस की दीवार ढही, मैकेनिक की मौत

संवाददाता–अयोध्या। सदर तहसील के सामने पीडब्लूडी कार्यालय की जर्जर बाउंड्री वॉल सोमवार को बारिश के दौरान भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर सड़क किनारे मोटरसाइकिल मैकेनिक रविंद्र की मौत हो गई। वह दीवार के सहारे तिरपाल लगाकर काम करता था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गोरखपुर में गुंबद हादसे में दो वकीलों की मौत के बाद अयोध्या में भी जर्जर भवनों और ढांचों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। सोमवार को सदर तहसील के सामने स्थित लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) कार्यालय की जर्जर बाउंड्री वॉल अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से सड़क किनारे मोटरसाइकिल मरम्मत करने वाले मैकेनिक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। मृतक की पहचान कैंट थाना क्षेत्र के सहादतगंज निवासी रविंद्र के रूप में हुई है। बताया गया कि रविंद्र च्व्क कार्यालय की बाउंड्री वॉल के सहारे तिरपाल डालकर सड़क किनारे मोटरसाइकिल बनाने का काम करता था। इसी काम से वह अपने परिवार का भरण–पोषण करता था। सोमवार को बारिश के कारण बाउंड्री वॉल के आसपास की जमीन दलदली हो गई थी। आशंका जताई जा रही है कि पहले से जर्जर दीवार जमीन कमजोर होने के कारण अचानक ढह गई। उस समय रविंद्र दीवार के पास ही मौजूद था और मलबे की चपेट में आकर दब गया। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से मलबा हटाकर रविंद्र को बाहर निकाला। उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में जर्जर बाउंड्री वॉल को लेकर नाराजगी दिखाई दी। लोगों का कहना है कि दीवार काफी समय से कमजोर और जर्जर हालत में थी। इसके बावजूद उसके आसपास लोगों की आवाजाही बनी हुई थी। बारिश के बाद जमीन कमजोर होने से दीवार गिरने का खतरा और बढ़ गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एक साथ बैठे थे, साथ ही दुनिया से विदा हुए दोनों वकील दोस्त

संवाददाता–गोरखपुर। राजघाट पर रविवार को एक साथ बैठे दो वकील दोस्त हादसे का शिकार हुए और सोमवार को उनकी अंतिम विदाई भी लगभग एक ही समय हुई। हादसे की तस्वीर याद कर हर किसी की आंखें नम थीं। अधिवक्ता संजय सिंह को सहारा इस्टेट के मुक्तिपथ पर मुखाग्नि दी गई, जबकि उनके साथी अधिवक्ता आलोक अस्थाना का अंतिम संस्कार नगर निगम के मुक्तिधाम में किया गया। दोनों अधिवक्ता रविवार को परिचित के अंतिम संस्कार में शामिल होने राजघाट पहुंचे थे। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों चबूतरे पर बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ऊपर का छज्जा भरभराकर उनके ऊपर गिर पड़ा। मलबे में दबकर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों अधिवक्ताओं के बीच गहरी दोस्ती थी। अदालत में साथ काम करने के दौरान उनका रिश्ता मजबूत हुआ था। रविवार को भी दोनों साथ ही राजघाट पहुंचे थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ देर बाद यही साथ उनकी जिंदगी की आखिरी यात्रा बन जाएगा। सोमवार को दोनों की अर्थियां उठीं तो साथी अधिवक्ता भावुक हो गए। संजय सिंह के अंतिम संस्कार में सहारा इस्टेट के मुक्तिपथ पर और आलोक अस्थाना के अंतिम संस्कार में नगर निगम के मुक्तिधाम पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता, परिचित और शुभचिंतक पहुंचे। हादसे ने दो परिवारों को गहरा सदमा देने के साथ अधिवक्ताओं के बीच भी शोक की लहर दौड़ा दी।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 387/2018
रामगरीब आदि
बनाम
राज्य उत्तर प्रदेश आदि
25/1– श्रीमती सोनू देवी उम्र 35 साल पत्नी नरेन्द्र कुमार निवासी सुरवार कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 19–09–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली बस्ती जिला–बस्ती
वाद संख्या 461/2023
नरेश
बनाम
पार्वती आदि
1. पार्वती उम्र लगभग 60 साल पत्नी पृथ्वीपाल साकिन मुड़िला अव्वल तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. अम्बिका प्रसाद उम्र लगभग 50 साल पुत्र अयोध्या प्रसाद 3. जवाहर लाल उम्र लगभग 55 साल पुत्र झिगुर 4. प्रदीप कुमार उम्र लगभग 50 साल 5. कुलदीप कुमार उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण भगौती 6. बुधिराम उम्र लगभग 65 साल पुत्र सजीवन 7. श्रीमती नीलम उम्र लगभग 45 साल पत्नी रामतेज साकिनान मुड़िला अव्वल तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 19–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली बस्ती जिला–बस्ती
वाद संख्या 417/2021
भगवानदास
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि
1. ग्राम पंचायत कोहरा जरिये प्रधान ग्राम पंचायत कोहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 19–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0– 02/2026
मूलवाद सं0–72/2021
रिजवानउल्लाह
बनाम
मो0 ईरफान आदि
1. मो0 ईरफान उम्र लगभग 51 वर्ष पुत्र ताज मोहम्मद निवासी ग्राम कन्हौली तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. श्रीमती सहबुननिशा उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी मो0 ईरफान निवासी ग्राम कन्हौली तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 21 माह 10 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 06 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद संख्या 593/2018
रामपल्टन आदि
बनाम
कुलदीप आदि
1. कुलदीप पुत्र गजपाल 2. राम मूरत पुत्र राम तीरथ 3. गजपाल पुत्र नन्हकू साकिनान ग्राम द्वारिका चक तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल निगरानी सं0–99/2025
रहमान
बनाम
श्रीमती जन्नतुन
1. श्रीमती जन्नतुन आयु लगभग 55 साल पुत्री जोखू पत्नी अब्दुल अजीज साकिन बढ़या लाल सिंह तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती हाल मुकाम ग्राम अमारेडीहा तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com